पाठ 8. बूढ़ी काकी

पाठ का उद्देश्य

प्रस्तुत पाठ का उद्देश्य बच्चों को बड़े-बूढ़ों के प्रति प्रेम, सहानुभूति तथा अपनेपन के भाव को बनाए रखने की सीख देना है। इस पाठ द्वारा बच्चे यह समझ पाने में समर्थ हो पाएँगे कि वृद्ध व्यक्ति की संवेदनाएँ प्रायः एक छोटे बालक के जैसी हो जाती हैं। ऐसी स्थिति में उन्हें वही अपनापन और स्नेह चाहिए होता है जो एक बालक के लिए अपेक्षित होता है।

पाठ का सारांश

बूढ़ी काकी का उनके भतीजे बुद्धिराम के अलावा और कोई न था। काकी का स्वभाव बच्चों जैसा था। बुद्धिराम की बेटी लाडली के सिवा कोई और काकी को प्यार नहीं करता था। बुद्धिराम के बेटे का तिलक था। उनके घर पर पकवान बन रहे थे। काकी का मन पकवानों की सुगंध से बेचैन हो रहा था। काकी रेंगती हुई कड़ाह के पास जा बैठीं। परंतु बुद्धिराम की पत्नी रूपा काकी को वहाँ देखकर बुरा-भला कहने लगी। काकी दूसरी बार भी पकवान पाने की कोशिश में बाहर जाती हैं मगर बुद्धिराम काकी को कोठरी में पटक आता है। कार्यक्रम समाप्त हो जाता है पर काकी को पूड़ियाँ नहीं मिलतीं। रात को सबके सो जाने पर लाडली अपने हिस्से की पूड़ियाँ काकी को खिलाती है। भूख न मिटने पर काकी जूठे पत्तलों पर से पूड़ियों के टुकड़े उठा-उठाकर खाने लगती हैं। इस दृश्य को देखकर रूपा को अपनी गलती का बोध होता है। रूपा काकी को भरपेट पकवान खिलाती है और अपनी भूल के लिए क्षमा याचना करती है।

अध्यापन संकेत

पाठ का आदर्श वाचन करें। बच्चों से पाठ का एक-एक अंश पढ़ने के लिए कहें। कहानी का मूल भाव विस्तार से समझाएँ। पाठ के महत्वपूर्ण गद्यांश अथवा पंक्तियों का अर्थ स्पष्ट करें। कठिन शब्दों का अर्थ बताएँ। महान साहित्यकार और इस कहानी के लेखक मुंशी प्रेमचंद के बारे में बच्चों को जानकारी दें। बताएँ कि प्रेमचंद एक साहित्यकार होने से पहले एक शिक्षक थे तथा वे हिंदी में लिखने से पहले उर्दू में लिखा करते थे।

पाठ से संबंधित कुछ विशेष बातों पर बच्चों से विचार-विमर्श करें –

- तुम अपने बड़े-बुज़ुर्गों की देखभाल कैसे करते हो?
- क्या वास्तव में वृद्धावस्था में व्यक्ति का स्वभाव और व्यवहार एक बालक की भाँति हो जाता है?
- बहुत से लोग विवाह या समारोह में जाते समय घर के वृद्धजनों को अपने साथ न ले जाकर घर पर ही छोड़ जाते हैं। तुम्हारे विचार से वे ऐसा क्यों करते होंगे? क्या तुम्हारे घर में भी ऐसा होता है?

डिजीडिस्क (DigiDisc) के माध्यम से पाठ की ई-बुक विद्यार्थियों को दिखाकर पाठ के प्रत्येक अंग का स्पष्टीकरण कीजिए। गतिविधियों की दुनिया से परिचय भी कराइए।